मानविकी विद्याशाखा

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

संस्कृत

एम0ए0 द्वितीय वर्ष, सत्रीय कार्य

जमा करने की अन्तिम तिथि.... 15 मई 2015 कोर्स कोड –एम0ए0एसएल -204

प्रोग्रामकोड --- एम0ए0एसएल 12 अधिकतम अंक -40

कोर्स शीर्षक – नाटक एवं नाटिका

ग्रीष्मकालीन सत्र 2014-15

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड 'क' में आठ प्रश्न दिये गये है। उनमें से किन्ही चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। खण्ड 'ख' मे 4 प्रश्न दिये गये हैं जिनमें से किन्ही 2 प्रश्नो के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खण्ड 'क

1. शूद्रक की काव्यकला का वर्णन कीजिए ।
2. विदूषक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
3. मृच्छकटिकम् के प्रतिनायक की चारित्रिक विशेषताएं बताइए ।
4. शूद्रक का जीवन परिचय लिखिए।
5. रत्नावली के द्वितीय अंक का सारांश निज शब्दों में लिखिए।
6. मृच्छकटिकम् के तृतीय अंक का सारांश निज शब्दों में लिखिए।
7. शर्विलक की चोर विद्या का वर्णन कीजिए।
8. नाट्य साहित्य का उद्भव सम्बन्धी पाश्चात्य मत क्या है।

खण्ड 'ख'

1. नाट्य साहित्य के उद्भव एवं विकास का वर्णन कीजिए।
2. मृच्छकटिकम् में वर्णित तत्कालीन सामाजिक एवं राजनैतिक दशा का चित्रण कीजिए ।
3. मृच्छकटिकम् का सारांश लिखिए।
4. वसन्तसेना की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।